- 1. 3 stirps demonstrativa; v. gr. 270.
- 2. 厾 (ut mihi videtur, a praec. v. gr. comp. 371.) particula negativa, quae vocabulis praefigitur per compositionem. Ante vocales ei additur 司 euphonicum (v. gr. 114, 667 et cf. gr. å, åv, lat. in, goth. et germ. un).
- ग्रंग्र् 10. r. (समाघाते r. विभाजने r.) coacervare, dividere. Scribitur etiam ग्रंस
- 規則 m. (r. 規則 s. 規) 1) pars, portio. 2) humerus. SAK. 22.6. infr. (cf. germ. vet. ahsala, lat. axilla, v. sq, 規則で). Scribitur etiam 現刊.
- म्रंशल (a praec. s. ल) robustus. Scribitur etiam म्रंसल. म्रंथ m. (r. म्रंथ s. उ) radius.
- म्रंजुक n. pannus, vestis; स्तनांजुक tunica pectoralis. Ur. 61.2.
- ਸ਼ੰਗੁਸ਼ਨ (ab ਸ਼ੰਗੁ s. ਸਨ੍) 1) radiis praeditus. Bn. 10.21. 2) m. sol.
- ग्रंस् 10. १. ४. ग्रंथू
- म्रंस m. v. म्रंश et cf. goth. amsa humerus.
- म्रंसल (a praec. s. ल) fortis, robustus. Am.
- ग्रंट्र 1. 4. (grammatici scribunt महू v. gr. 110°).) ire (v. मंहि pes et cf. मुङ्घ्).
- म्रंहित f. (rad. म्रंह s. ति, conservato charactere primae classis sicut in वसित q.v.) donum. Am.
- म्रंहस् n. (r. म्रंह s. म्रस्) peccatum. Am. (cf. म्रघ, म्रा-ग्रस् et gr. ἄγος).
- म्रंहि m. (r. म्रंह s. रि) pes. Am. (cf. म्रङ्गि).
- স্থক্ 1. P. (ক্রচিলাযাত্র সনী শ অক্সসনি V. cf. স্থম্) flexuose, tortuose ire (cf. gr. ἀγκή, ἀγκαί, ἀγκών, lat. angulus).
- अकाएटक (ван. ex म्र priv. et काएटक hostis) liber ab hostibus.

- স্ত্রনাত (KARM. ex স্ল priv. et ক্রেন a r. ক্রেছ s. স্লন) non gloriosus, se non jactans. In. 4.11.
- अक्सात् (Arr. ex 知 priv. et ablat. interrogativi किम्, secundum analogiam adverbiorum साज्ञात् et समन्तात्, v. gr. 675.) sine causa, subito. N. 21.22. Hit. 18.2.
- म्रकाम (вын. ex म्र priv. et काम) invitus. N. 20. 22.
- 現南で m. (ex 知 sonus a et 南に faciens) littera a. Bh. 10.
  33. (v. gr. 4.).
- म्रकाल (BAH. ex म्र priv. et काल tempus) intempestivus. Su. 1.31.
- স্ত্রনা m. (cujus ripa ulterior non vilis i.e. non propinqua sed remota est, latus; вли. ex স্ত্র priv. et ক্র্নাে quod ipsum est вли. ex ক্র, producto ex ক্র q.v., et বাং; cf. হ্রাবাং) mare. Am.
- স্বন্ধনা (BAH. ex স্বন্ধন et ন্তান্ত্র) non factum intellectum habens, i.e. intellectu destitutus (cf. composita, quae a নান incipiunt).
- সক্লানজ্ঞানিক n. (a praec. s. লে) Abstractum praecedentis. Bn. 18.16.
- সক্রানেন (BAH. ex সক্র et স্নানেন) non factam animam habens, animâ privatus, i. e. improbus, insanus. N. 12. 82. BH. 15.11.
- म्रक्ता f. mater (cf. lat. Acca).
- म्रिक्तिष्ट कार्र (клям. ex म्रिक्तिष्ट inturbatus, non interruptus, indefessus a r. ক্লিম্ praef. म्र, s. ন et কাৰ্য actio, nisus) indefessus nisus.
- म्रिक्तिष्टकारिन् (a praec. s. इन्) indefessum nisum habens. In. 2. 10.
- त्रज् 1. et 5. P. (सङ्घाते ४. ट्याप्तिसंहत्या: P.) coacervare, occupare.
- म्रज्ञ m. (v. ईन्त् videre) 1) oculus, in fine compositorum